aglasem.com

कक्षा ११ इतिहास नोट्स

लेखन कला और शहरी जीवन



Key Notes and Important Questions with Answers

विषय - 2
लेखन कला और शहरी जीवन

स्मरणीय तथ्य

1. मेसोपोटामिया – यह शब्द यूनानी भाषा के दो शब्दों मेसोस यानि मध्य पोटैमोस यानि नदी से मिलकर बना है। मैसोपोटामिया दजला व फरात नदियों के बीच की उपजाऊ धरती को इंगित करता है।
2. यह क्षेत्र आजकल इराक गणराज्य का हिस्सा है।
3. मेसोपोटामिया की एतिहासिक जानकारी के प्रमुख स्त्रोत इमारतें, मूर्तियाँ, कब्रें, आभूषण, औजार, मुद्राएँ, मिट्टी की पट्टिकाएं तथा लिखित दस्तावेज हैं।
4. इसके शहरीकृत दक्षिणी भाग को सुमेर और अक्कद कहा जाता था, बाद में इस भाग को बेबीलोनिया कहा जाने लगा।
5. इसके उत्तरी भाग को असीरियाईयों के कब्जा होने के बाद असीरिया कहा जाने लगा।
6. सुमेरियन, अक्कदी तथा अरामाइक इसकी प्रमुख भाषाएँ थी।
7. इस सभ्यता में नगरों का निर्माण 3000 ई.पू. प्रारम्भ हो गया था। उरूक, उर और मारी इसके प्रसिद्ध नगर थे।
8. श्रम विभाजन एवं सामाजिक संगठन शहरी जीवन एवं अर्थव्यवस्था की विशेषता थे।
9. यहाँ खाद्य–संसाधन तो समृद्ध थे परन्तु खनिज–संसाधनों का प्रभाव था, जिन्हें तुर्की, ईरान अथवा खाड़ी पार देशों से मंगाया जाता था।
10. लेखन कला – मैसोपोटामिया में जो पहली पट्टिकाएँ पाई गई है वे लगभग 3200 ई.पू. की है इन पर कीलाकार लिपि द्वारा लिखा जाता था।
11. कीलाकार (क्यूनीफार्म) – यह लातिनी शब्द 'क्यूनियस', जिसका अर्थ खूँटी और फोर्मा जिसका अर्थ 'आकार' है, से बना है।
12. मैसोपोटामिया में बहुत कम लोग पढ़े–लिखे थे चिन्हों की संख्या काफी पेचीदा तथा बहुत अधिक थी।
13. 1400 ई.पू. से धीरे–धीरे अरामाइक भाषा का प्रवेश हुआ, यह हिब्रू भाषा से मिलती–जुलती थी और 1000 इ.पू. के बाद यह व्यापक रूप से बोली जाने लगी थी और आज भी इराक के कुछ भागों में बोली जाती है।

14. 5000 इ.पू. दक्षिण मैसोपोटामिया में बस्तियों का विकास होने लगा था जिनमें से कुछ शहरों में परिवर्तित हो गए।
15. यहाँ उर नगर में नगर–नियोजन पद्धति का अभाव था, गलियां टेढ़ी–मेढ़ी एवं संकरी थी।
16. 2000 ई.पू. के बाद फरात नदी की उर्ध्वधारा पर मारी नगर शाही राजधानी के रूप में फला–फूला। यह अत्यन्त महत्वपूर्ण व्यापारिक स्थल पर स्थित था। इसके कारण यह बहुत समृद्ध तथा खुशहाल था।
17. एकल परिवार को आदर्श माना जाता था जिसमें पति–पत्नी और उनके बच्चे शामिल होते थे।
18. काल–गणना और गणित की विद्धतापूर्ण परम्परा दुनिया को मेसोपोटामिया की सबसे बड़ी देन है।
19. गिल्गेमिश – उरूक नगर का शासक था, महान यौद्धा था जिसने दूर–दूर तक के प्रदेशों को अपने अधीन कर लिया था।
20. समय का विभाजन सिंकंदर के उत्तराधिकारियों द्वारा अपनाया गया और वहाँ से यह रोम तथा इस्लाम की दुनिया में तथा बाद में मध्ययुगीन यूरोप में पहुँचा।

अति लघु प्रश्न (2 अंक)

1. वह कौन–सी सभ्यता थी जो दजला और फरात नदियों के बीच विकसित हुई, इसकी किसी एक विशेषता को स्पष्ट कीजिए।
2. इराक में आज भी कुछ भागों में बोली जाने वाली भाषा का नाम लिखिए, बताइए यह किस भाषा से मिलती जुलती थी।
3. मेसोपोटामिया के बहुत कम लोग साक्षर थे, क्यों? स्पष्ट कीजिए।
4. मेसोपोटामिया के इतिहास की जानकारी के प्रमुख स्त्रोत कौन–कौन से हैं?
5. कीलाकार लिपि क्या है? इसका विकास सर्वप्रथम किन लोगों के द्वारा किया गया?
6. मेसोपोटामिया के प्रारम्भिक मंदिरों की रचना घरों जैसी क्यों प्रतित होती थी? स्पष्ट कीजिए।
7. कुम्हार के चाक से किस प्रकार प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक युगान्तकारी परिवर्तन आया?
8. उर नगर में घरों के बारे में प्रचलित दो अंधविश्वास कौन से थे? स्पष्ट कीजिए।

9. मारी स्थित राजमहल की दो विशेषताएं लिखिए।
10. एकल परिवार से आप क्या समझते हैं?
11. गिल्गेमिश के महाकाव्य की रचना कब की गई, इसे कितनी पट्टिकाओं पर रचा गया?

लघु प्रश्न (4 अंक)

12. शहरो का विकास केवल ग्रामीण समृद्धि के बल पर ही हुआ है। मेसोप्रोटामिया के सन्दर्भ में समझाइए।
13. "इराक भौगोलिक विविधताओं का देश है।" इस कथन की चार बिन्दुओं द्वारा पुष्टि कीजिए।
14. श्रम–विभाजन किस प्रकार शहरी जीवन की विशेषता था? स्पष्ट कीजिए।
15. "शहरी अर्थव्यवस्था में एक सामाजिक संगठन का होना आवश्यक है।" स्पष्ट कीजिए।
16. मारी एक शहरी केन्द्र एवं व्यापारिक स्थल था, उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
17. मेसोपोटामिया में लेखन–कला के विकास को साक्ष्यों के आधार पर समझाइए।
18. स्पष्ट कीजिए कि जमीन में प्राकृतिक उपजाऊपन होने के पश्चात् भी मेसोपोटामिया में कृषि कई बार संकटों से किस प्रकार घिर जाती थी?
19. स्पष्ट कीजिए कि मेसोपोटामिया में समकालीन नगर मोहनजोदड़ो के विपरीत उर नगर में नगर–नियोजन पद्धति का अभाव था।
20. खानाबदोश पशुचारक शहरी जीवन के लिए खतरा थे। तर्क देकर स्पष्ट कीजिए।
21. मेसोपोटामिया में शहरीकरण का क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए।
22. मेसोप्रोटामिया की मोहरों की बनावट और उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

दीर्घ प्रश्न (8 अंक)

23. मंदिर मेसोपोटामिया की संस्कृति के अभिन्न अंग थे। स्पष्ट कीजिए।
24. सम्भवतः दुनिया को मेसोपोटामिया की सबसे बड़ी देन उसकी कालगणना और गणित की विद्वतापूर्ण परम्परा है।
25. मेसोपोटामिया की प्रमुख उपलब्धियों को वर्णित कीजिए।

दीर्घ प्रश्न (8 अंक) उत्तर

23.
- 5000 ई.पू. दक्षिणी मेसोपोटामिया में बस्तियों का विकास।
- कुछ प्राचीन शहर मंदिर के चारों ओर विकसित हुए।
- सबसे पहले ज्ञात मंदिर एक छोटा–सा देवालय था, जो कि कच्ची ईंटों का बना हुआ था।
- मंदिर विभिन्न प्रकार के देवी–देवताओं के निवास स्थान थे जैसे उर जो चंद्र देवता के और इन्नाना जो प्रेम व युद्ध की देवी थी।
- कुछ प्रारम्भिक साधारण मंदिर घरों जैसे ही होते थे क्योंकि मंदिर भी किसी देवता के घर होते थे।
- देवता पूजा का केन्द्र–बिन्दु होता था, लोग देवी–देवता के लिए अन्न, दही और मछली लाते थे।
- आराध्य देव सैद्धान्तिक रूप से खेतों, मत्स्य क्षेत्रों और स्थानीय लोगों के पशुधन का स्वामी माना जाता था।
- समय आने पर उपज को उत्पादित वस्तुओं में बदलने की प्रक्रिया मंदिरों में ही की जाती थी।
- मंदिर ने धीरे–धीरे अपने क्रियाकलाप बढ़ा लिए।
- उस काल में मंदिर ना केवल धार्मिक केन्द्र थे अपितु आर्थिक–क्रियाओं से भी जुड़े थे।

24.
- मेसोपोटामिया की दुनिया को सबसे बडी देन उसकी कालगणना और गणित की विद्धतापूर्ण परम्परा है।
- 1800 ई.पू. के आस–पास की कुछ पट्टिकाएं मिली हैं जिनमें गुणा और भाग की तालिकाएं, वर्ग तथा वर्गमूल और चक्रवृद्धि ब्याज की सारणियां दी गई हैं।
- मेसोपोटामिया वासियों से ही हमें ज्ञात हुआ कि पृथ्वी के चारों ओर चंद्रमा की परिक्रमा के अनुसार एक पूरे वर्ष का 12 महीनों में विभाजन, एक महीने का 4 हफ्तों में विभाजन, एक दिन का 24 घंटों में विभाजन और एक घंटे का 60 मिनट में विभाजन। आज यह सब हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा है।

- सूर्य और चन्द्र ग्रहण घटित होने पर वर्ष, मास और दिन के अनुसार उनका हिसाब रखकर गणना की जाती थी।
- रात को आकाश में तारों और तारामंडल की स्थिति पर नजर रखते हुए गणना की जाती थी।

25. • लेखन कला।
- गणित की गणनाओं का विकास।
- शहरी जीवन तथा सामाजिक व्यवस्था।
- विद्यालय जैसी संस्थाएँ।
- 5000 ई.पू. बस्तियों का विकास।
- विवाह, उत्तराधिकार के मामलों में कानूनी दस्तावेजों का होना।
- मोहर : एक शरही शिल्प कृति।
- शहरीकरण का महत्व।